क्या सार्स एक विश्वव्यापी महामारी बनेगा?

प्रवीण कुमार

सार्स वायरस घुमक्कड़ तो खूब है लेकिन शायद घातक नहीं। यह अब तक 25 देशों की सैर कर चुका है। इसका अंतिम पड़ाव है भारत (गोवा)। लेकिन इसके शिकार लोगों में मरने वालों का प्रतिशत 4 से भी कम है। इसका पर्यटन पर गहरा असर पड़ा है। वैश्विक महामारी के डर से दक्षिण पूर्व एशियाई नेतृत्व ने बैंकॉक में एक शिखर बैठक बुलाने की मांग की है।

भारत में सार्स (अति तीव्र श्वसन सिंड्रोम) का अधिकारिक रूप से पुष्ट पहला मामला मुम्बई के सहारा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और गोवा के डबोलिम हवाई अड्डे पर यात्रियों की निगरानी में हो रही ढिलाई की पोल खोल देता है। रोगी एक मैरीन इंजीनियर है जो सिंगापुर में छुट्टियां बिताकर 30 मार्च को मुम्बई लौटा था। गोवा पहुंचने से पहले वह दो दिन मुम्बई में अपने परिवार जनों से मिलने ठहरा था। गोवा में 17 अप्रैल को अधिकारिक रूप से उसे सार्स पीड़ित घोषित किया गया। तब से उसे असंक्रामक घोषित कर दिया गया है।

2 अप्रैल के दिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री सुषमा स्वराज ने देश भर के स्वास्थ्य अधिकारियों की एक बैठक बुलाई। उद्देश्य इस रोग से निपटने के तरीकों पर विचार करना था। अब से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों में आने वाले तमाम लोगों की अनिवार्य जांच होगी। हवाई अड्डे के कर्मियों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। 3 परत वाले मास्क की कीमत 3 से 5 रुपए है जबकि डिफेंस रिसर्च एण्ड डिज़ाइन संगठन द्वारा तैयार मास्क की कीमत 2000 रुपए होगी।

चीन के गुआंगडॉन्ग प्रांत में यह फ्लू सरीखी बीमारी

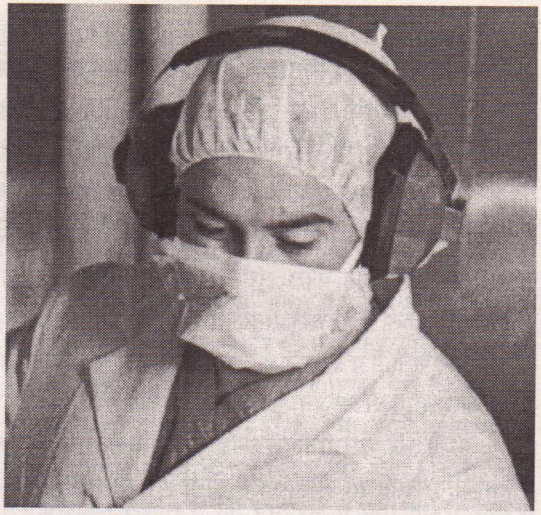

पिछले नवम्बर में शुरू हुई थी। सार्स से सबसे ज़्यादा प्रभावित देश हैं - चीन, हांगकांग, सिंगापुर, कनाडा, ताइवान और वियतनाम। हालांकि इनमें से केवल 4 देशों में स्थानीय संचारण के प्रमाण पाए गए हैं। अधिकांश (17) देशों में लोगों को यह रोग विदेश यात्रा के दौरान लगा। जैसे चीन या हांगकांग की यात्रा के दौरान। अधिकतर मामले हांगकांग के एक होटल में रहने वालों में पाए गए। अभी हाल में मंगोलिया के भीतरी हिस्सों में यह रोग देखा गया है।

सिंगापुर में सार्स के वायरस को फैलने से रोकने के लिए घरों को पूरी तरह से रोगप्रतिबंधक बनाने का इंतज़ाम किया जा रहा है। जून माह तक हर घर को एक थर्मामीटर उपलब्ध कराया जाएगा और लोगों के तापमान की जांच उनके दैनंदिन कामों की फेहरिस्त में जुड़ जाएगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सार्स को 21वीं सदी की पहली गम्भीर और आसानी से स्थानांतरित हो जाने वाली नई बीमारी की संज्ञा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दक्षिण चीन और हांगकांग की ओर यात्रा न करने की ताकीद की है। संगठन ने चीन पर इस महामारी को छुपाने का आरोप लगाया है। बेजिंग से आए एक भारतीय पत्रकार का कहना है कि शहरों की बड़ी सड़कों पर सुरक्षा मास्क नदारद थे। बेजिंग जाती सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में किसी भी एयरहॉस्टेस ने मास्क नहीं पहना था। मास्क 95 प्रतिशत